>

Title: Regarding death of 20 persons in a road accident in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने कल की एक बहुत ही हृदय-विदारक, दर्दनाक घटना को सदन में उठाने की अनुमति दी।

मैं बड़े दुख के साथ कहना चाहता हूं कि कल उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से नेपाल जाने वाले राजमार्ग पर सिद्धार्थ नगर से एक निजी बस आ रही थी और गोरखपुर की तरफ से तेज गति से एक रोडवेज की बस आ रही थी, जिसके हेड ऑन कोलीज़न से 20 लोगों की मौत उसी स्थान पर हो गयी और लगभग 34 लोग आज भी गोरखपुर मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल में मौत से जूझ रहे हैं। विडंबना यह है कि तीन सिदार्थ नगर में तीन गरीब लोगों की झोपड़ियां जल गयीं, जिनके घर में जलने के बाद कुछ भी नहीं था। एक छोटी सी बच्ची, जो आग से जल गयी थी, उसका भाई कल उसी बस से मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने ले जा रहा था, उस दुर्घटना में वह बच्ची और उसका भाई भी मौत के मुंह में चले गए। इस तरह से गरीब लोग, जिनके पास आज कोई सहारा भी नहीं है, 20 लोगों की इस तरह से हृदय-विदारक मृत्यु राष्ट्रीय राजमार्ग पर हो गयी। मैं समझता हूं कि निश्चित तौर से उन परिवारों का सहारा छिन गया, जो गरीब लोग थे और ज्यादातर वे लोग पूर्वांचल के सिदार्थ नगर के थे, जो उस बस से सफर कर रहे थे। प्रदेश सरकार ने उनको एक-एक लाख रुपये आर्थिक सहायता दी है, लेकिन आज उन परिवारों के समक्ष जो परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, मैं आपके माध्यम से प्रधानमंत्री जी से मांग करूंगा कि उन मृतक परिवारों के आश्रितों को कम से कम दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए।...(व्यवधान) मैं समझता हूं कि ऐसी निजी बसें, जिनके इंश्योरेंस नहीं होते हैं, उनसे प्रभावित लोगों के परिवारों की भी किसी तरह से क्षतिपूर्ति होनी चाहिए। मैं शैलेन्द्र जी से भी कहूंगा कि रोडवेज की बस के साथ एक्सीडेंट हुआ है। राज्य सरकार कम से कम यह तो कर ही सकती है उन मृतकों के परिवार में से एक-एक आश्रित व्यक्ति को किसी भी स्तर पर राजकीय नौकरी प्रदान करे। अगर ऐसा होता है तो मैं समझता हूं कि यह जिन लोगों की इस दुर्घटना में मृत्यु हुई है, उन मृतक परिवार वालों के आंसू बह रहे हैं, उनकी भरपाई नहीं हो सकती, लेकिन उनके आश्रितों को भविष्य के लिए एक सम्बल के रूप में जीविका का सहारा मिल जाएगा। इसलिए मेरा राज्य सरकार से निवेदन है कि वह मृतक परिवार वालों में से एक-एक व्यक्ति को नौकरी दे। यह कोई राजनीति का विषय नहीं है। इस तरह की बड़ी दुर्घटनाएं काफी समय बाद होती हैं कि एक ही दुर्घटना में 20 लोग मारे जाएं, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल थे। इनमें से कोई इलाज के लिए जा रहा था, कोई दवा के लिए जा रहा था तो कोई शादी में शामिल होने जा रहा था। कल जब यह दुर्घटना हुई तो वह पूरा इलाका शोक में डूबा हुआ है। मृतकों में कुछ लोग गोरखपुर के थे, कुछ महाराजगंज के थे और मेरे क्षेत्र सिद्धार्थ नगर के भी लोग थे। इसलिए मैं प्रधान मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि यह जो हृदयविदारक घटना हुई है, जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवार वालों को सहारे के रूप में केन्द्र से दो-दो लाख रुपए दिए जाएं। इसके साथ ही मैं यह भी चाहूंगा कि आप और यह सदन उन 20 मृतकों की आत्मा के प्रति संवेदना प्रकट करे तथा मृतकों के परिवार वालों को इस विपत्ति सहन करने की ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की दुआ करे।

अध्यक्ष महोदया: श्री कमल किशोर कमांडो भी अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।